(ग) कुल मिला कर हमारा देश कच्चे पटसन के उत्पादन में आत्म निर्भर है। किसी कम फसल वाले वर्ष में कच्चे पटसन का उत्पादन पटसन मिलों की आवश्यकताओं से कम हो सकता है।

चुंगी के स्थान पर बिक्री कर

3557. **श्री भागीरथ भंवर** : क्या वित्त मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या केन्द्रीय सरकार ने इस आशय का परिपत्र जारी किया है कि राज्य सरकारों द्वारा नगरों में वसूल की जा रही चुंगी को समाप्त कर दिया जाये और उसके स्थान पर बिक्री कर में वृद्धि कर दी जाये; और

(ख) क्या मध्य प्रदेश सरकार ने इस बारे में कार्यवाही की है ?

राजस्व और बैंकिंग विभाग के प्रभारी राज्य मंत्री (श्री प्रणव कुमार मुखर्जी) : (क) जी नहीं। परन्तु चुंगी समाप्त करने और इसके स्थान पर किसी अन्य प्रकार का कर लगाने के प्रश्न पर परिवहन और जहाजरानी मंत्रालय द्वारा कार्यवाही की जा रही है।

(ख) जी हां। मध्य प्रदेश सरकार ने एक अध्यादेश, संविधान के अनुच्छेद 213(1) के अन्तर्गत राष्ट्रपति की स्वीकृति के लिये भेजा है जिस में राज्य में नगरपालिकाओं द्वारा लगाये जाने वाले चुंगी शुल्क के स्थान पर, स्थानीय क्षेत्र में माल के प्रवेश क पर कर लगाने की व्यवस्था है। इस प्रस्ताव की जांच की जा रही है। इस बीच, समाचार पत्रों की रिपोर्टों से ऐसा प्रतीत होता है कि मध्य प्रदेश सरकार ने चार अध्यादेश जारी किये हैं, जिन में चुंगी शुल्क के स्थान पर राजस्व के अन्य वैकल्पिक स्त्रोतों की व्यवस्था की गई है, जिन के पूरे ब्यौरे अभी तक राज्य सरकार से प्राप्त नहीं हुए हैं।

भारत में बनी शराब का निर्यात

3558. **श्री भागीरथ भंवर** : क्या वाणिज्य मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या भारत में बनी शराब का निर्यात किया जाता है ;

(ख) यदि हां, तो किस-किस देश को और कितनी मात्रा में निर्यात होता है और गत वर्ष इससे कितनी विदेशी मुद्रा कमाई गई ; और

(ग) किस-किस किस्म का शराब का निर्यात किया जाता है।

वाणिज्य मंत्रालय में उपमंत्री (श्री विश्वनाथ प्रताप सिंह) : (क) जी हां। मुख्यतः भारत मे बनी अंग्रेजी शराब तथा बीयर का निर्यात होता है।

(ख) निर्यात मुख्य रुप से कनाडा, अदन, दुबाई, कुवैत, तथा आबू धाबी को किये जाते है। वर्ष 1975–76 के लिये उपलब्ध अनन्तिम आंकडों के अनुसार उस वर्ष लगभग 6.09 लाख रु० मूल्य की 71000 लिटर से अधिक मात्रा का निर्यात किया गया।

(ग) रम, बीयर तथा कोकोनट फेनी।

Liberalisation of Import of Leather Processing Machinery

3539. SHRI Y. ESWARA REDDY: Will the Minister of COMMERCE be pleased to state:

(a) whether the E. E. C. team, which visited India recently, has suggested to Government liberalisation of

the import of leather processing machinery;

(b) whether the indigenous Leather Machinery Manufacturing Association has opposed this suggestion; and

(c) if so, the reasons thereof and Government's reaction thereto?

THE DEPUTY MINISTER IN THE MINISTRY OF COMMERCE (Shri Vishwanath Pratap Singh) (a) and (b). Yes, Sir.

(c) A list of leather machinery for import purposes was published in the Indian Export Service Bullatin dated 11-1-1975, giving an opportunity to indigenous manufacturers to represent if any of such items is being manufactured indigenously. A few representations from the machinery manufacturers were recovered and considered. A similar list was published in the Indian Export Services Bulletin dated 24th January, 1976 also. After due consideration, a list of leather machinery has now been put under O.G.L. so that the machines are available to the leather industry for export purposes without any delay.

विश्व बैंक से सहायता

3540. **श्री गंगा चरण दीक्षित** : क्या वित्त मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) गत तीन वर्षों के दौरान मध्य प्रदेश के इन्दौर और होशंगाबाद डिविजनों में विभिन्न परियोजनाओं के लिए विश्व बैंक से कुल कितनी राशि की सहायता प्राप्त हुई है; और

(ख) उन परियोजनाओं के कार्य में अब तक कितनी प्रगति हुई है जिनके लिए सहायता प्राप्त हुई है ?

वित्त मंत्रालय में उपमंत्री (श्रीमती सुशीला रोहतगी) : (क) और (ख): माननीय सदस्य संभवत: मध्य प्रदेश कृषि ऋण परियोजना और मध्य प्रदेश डेरी विकास परियोजना का उल्लेख कर रहे हैं जिनकी वित्त-व्यवस्था विश्व बैंक समूह द्वारा की जा रही है। मध्य प्रदेश कृषि ऋण परियोजना के अन्तर्गत इंदौर और होशंगाबाद डिवीजनों के लिए विश्व बैंक समूह से क्रमश: 682.29 लाख रुपये और 90.09 लाख रुपये की राशि ली जा चुकी है। मध्य प्रदेश डेरी विकास परियोजना के अन्तर्गत चालू वित्तीय वर्ष में रकम मिलने के शुरू होने की संभावना है।

मध्य प्रदेश में तस्करी माल का पकड़ा जाना

3541. **श्री गंगा चरण दीक्षित** : क्या वित्त मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या देश में आपात स्थिति की घोषणा के बाद मध्य प्रदेश में तस्करी का माल पकड़ा गया है;

(ख) यदि हां, तो कितने मूल्य का माल पकड़ा गया;

(ग) उन बड़े व्यापार गृहों के नाम क्या हैं जिनके यहां से यह माल पकड़ा गया; और

(घ) अब तक ऐसे कुल कितने मामलों को निपटाया जा चुका है ?

राजस्व और बैंकिंग विभाग के प्रभारी राज्य मंत्री (श्री प्रणब कुमार मुखर्जी) : (क) जी, हां।

(ख) मध्य प्रदेश में विदेशी मुद्रा की छोटी सी रकम और 1,23,309 रु० की भारतीय मुद्रा के अतिरिक्त 27,74,323 रु० मूल्य का तस्करी का सामान पकड़ा गया।

(ग) कुछ नहीं।

(घ) अब तक निपटाये गये मामलों की संख्या पांच है।